यूपीईएस : सस्टेनेबिलिटी फेयर 2.0 में ग्लोबल वेलबीइंग पर जोर

विभिन्न उद्योग क्षेत्रों से जुड़े यूपीईएस के पूर्व छात्रों ने भाग लिया

मुख्य सचिव को सम्मानित करते यूपीईएस के पदाधिकारी।

देहरादून (एसएनबी)। यूपीईएस में स्कूल आफ एडवांस्ड इंजीनियरिंग द्वारा स्वास्थ्य, सुरक्षा, आग और पर्यावरण के क्षेत्र में प्रगति पर आधारित चौथी इंटरनेशनल सस्टेनेबिलिटी कान्फ्रेंस सम्पन्न हो गई। कान्फ्रेंस में मुख्य रूप से ग्लोबल वेलबीइंग पर जोर दिया गया। इस मौके पर मुख्य सचिव डा. एसएस संधू बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे।

सम्मेलन की शुरुआत मेगा एल्युमनी कनेक्ट के साथ हुई। इसमें विभिन्न उद्योग क्षेत्रों से जुड़े यूपीईएस के पूर्व छात्रों ने भाग लिया। दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े शोधकर्ताओं, पेशेवरों, नीति-निर्माताओं व उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञों ने अपने अनुभवों व विचारों को साझा किया। इसमें सेंटर फार इनोवेशन एण्ड ट्रांसलेशनल रिसर्च, सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टाक्सीकोलाजी रिसर्च (लखनऊ) के वैज्ञानिक अशोक पांडेय, प्रोफेसर एंड चेयर फार वाटर साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी डी मोंटेरी (मेक्सिको) प्रो. जुरगन माहलकेख्त आदि शामिल थे।

पैनल चर्चा में कार्यस्थल पर प्रमुख मुद्दों पर परस्पर सहयोगात्मक समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें माकीन एनर्जी के डायरेक्टर सोमनाथ फुलारी, एग्जीक्युटिव डायरेक्टर सेफ्टी (दिल्ली मेट्रो) देवेन्द्र गिल, पूर्व एग्जीक्युटिव डायरेक्टर गेल एसपी गर्ग ने अनुभवों को साझा किया। इसके अलावा इंडस्ट्री कान्क्लेव, ओरल एंड पोस्टर पेपर प्रस्तुतियां, प्रदर्शनियां, मॉडल डिस्प्ले व पुरस्कार वितरण समारोह का भी आयोजन किया गया। इसमें रिलायंस, अडानी, टाटा स्टील समेत कई अन्य कंपनियों के 1000 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इससे पूर्व यूपीईएस के छात्रों ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक जागरूकता अभियान का आयोजन किया। कान्फ्रेंस कमेटी ने आसपास के स्कूलों में 1500 से अधिक छात्रों के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया।